दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–5)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/22 (J-A)–M–**GSM (M-I)-2205**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: BAJRANG PRASAD **Mobile Number:** ____________

Medium (English/Hindi): ____________ **Reg. Number:** ____________

Center & Date: ____________ **UPSC Roll No.** ***(If allotted)*****:** ____________

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें ***बीस*** *प्रश्न हैं तथा* ***हिन्दी*** *और* ***अंग्रेज़ी*** *दोनों में छपे हैं।*
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
There are ***TWENTY*** *questions printed both in* ***HINDI*** *and* ***ENGLISH****.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

1. अल नीनो और ला नीना क्या है? ला नीना भारत में मौसम की घटनाओं को कैसे प्रभावित करती है? (150 शब्द) 10

What is El Nino and La Nina? How does the La Nina impact weather events in India? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

जलवायु के मौसम परिवर्तन घटकों पर अल-नीनो एवं ला-नीना का प्रभाव हाल के वर्षों में देखा जा रहा है।

अल नीनो - यह एक महासागरीय धारा के गर्म होने की परिघटना है जो चिली के तट पर उत्पन्न होती है। यह चिली/पेरू के तट पर भारी वर्षा करती है।

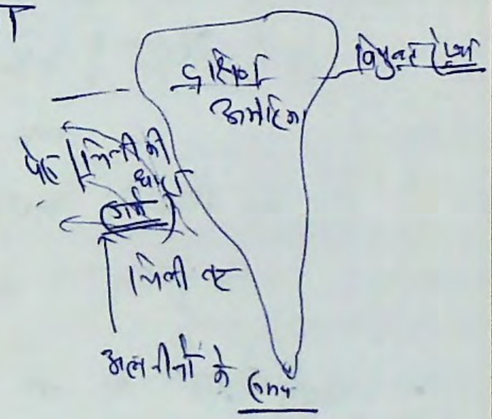

ला-नीना -

अल नीनो के विपरीत ला-नीना का तात्पर्य पूर्वी प्रशांत महासागरीय हम्बोल्ट धारा के तापमान के गिरावट से है। इससे दक्षिण अमेरिका के प० तट ठंडा एवं आस्ट्रेलिया का पूर्वी तट गर्म हो जाता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ला-नीना का भारतीय मौसम पर प्रभाव -

• ला-नीना के कारण भारत में सकारात्मक हिन्द महासागर द्विध्रुव का उद्भव

⇓

द० पश्चिम मानसून का मजबूत होना

⇓

भारत में अच्छी मानसूनी वर्षा (औसत से अधिक वर्षा).

वर्ष-2020-21 में ला-नीना वर्ष के कारण में भारत में अधिक वर्षा से फसलों को नुकसान (जुलाई - सितम्बर)

• अत्यधिक वर्षा का बाढ़ के रूप में शहरों में प्रकोप

• जलाक्रांतता की स्थिति.

जलवायु परिवर्तन ने इनकी बारम्बारता को बढ़ाया है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. "हालाँकि प्रवाल भित्तियाँ समुद्र तल के एक छोटे से हिस्से को कवर करती हैं, लेकिन वे लोगों को बहुत अधिक लाभ प्रदान करती हैं।" इस संबंध में प्रवाल विरंजन और इसके प्रभाव की चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

"Although coral reefs cover a tiny fraction of the ocean floor, they provide outsized benefits to people". In this regard discuss what is coral bleaching and its impact? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रवाल शैवाल एवं पॉलिप्स के बीच सहजीवी सम्बन्ध को दर्शाता है, जिन्हें समुद्र का सदाबहार वन कहा जाता है।

प्रवाल भित्तियों का कुल पृथ्वी के क्षेत्रफल में योगदान 1% से भी कम है। जिनका विस्तार प्रमुखत: उष्ण-कटिबंधीय क्षेत्रों में है।

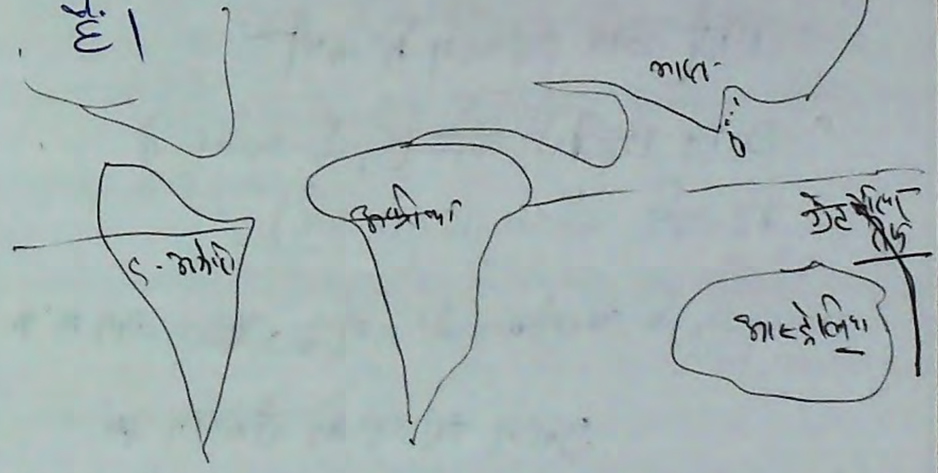

प्रवाल विरंजन -

यह परिघटना पॉलिप्स एवं शैवाल के प्रतिकूल परिस्थितियों में अलग होने से है, इससे प्रवाल की मृत्यु हो जाती है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मृत्यु के पश्चात् CO_3 की पट्टीने सफेद रंग में विस्तृत दिखाई पड़ती है। इस घटना को प्रवाल विरंजन कहा जाता है।

प्रवाल विरंजन के प्रभाव

- समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान
- मछलियों को भोजन की कमी
  ⇓
  मत्स्य उद्योग पर प्रभाव
  (आर्थिक क्षति).
- समुद्री जैव विविधता में कमी
- प्रवाल भित्तियों का O_2 के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान (16% से अधिक),
- CO_2 के अवशोषण में कमी ⇒ वैश्विक तापन में ↑

प्रवाल विरंजन की रोकथाम एवं संरक्षण के लिए वैश्विक संगठन एवं भारत सरकार मिलकर काम कर रहे हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. "प्रत्येक गर्मी की शुरुआत के बाद से भारत के बड़े हिस्सों में लगातार हीट वेव की स्थिति दर्ज की गई है।" इस आलोक में हीट वेव को परिभाषित कीजिये तथा ऐसी तीव्र हीट वेव के कारणों की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

"Severe heatwave conditions have been consistently reported over large parts of India since the beginning of each summer". In this light define heat waves and discuss the causes for such intense heat waves. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख... चाहिये।
(Candidate must n... write on this marg...

हाल में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की रिपोर्ट में - हाल के दशकों में मानसून पश्चात् (प्रीमानसून की तुलना में) औसत तापमान में वृद्धि दर्ज की गई है।

हीट वेव-

हीट वेव से तात्पर्य पृथ्वी के किसी भी स्थान के दैनिक औसत तापमान में लगातार दो दिनों तक अचानक 4-6% की वृद्धि से है।

वर्तमान में अमेरिका एवं यूरोप (July, 2022) भारी हीट वेव का सामना कर रहे हैं।

हीट वेव के कारण -

- मानसून का लेट होना (भारत में)
- वैश्विक तापन का प्रभाव - इसने इस परिघटना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

को तेजी से प्रभावित किया है।

- हिमनदों का पिघलना ⇒ समुद्री तापमान में वृद्धि (क्योंकि जल का अल्बिडो कम होता है बर्फ की अपेक्षा) ⇒ हीट वेव (आर्कटिक से हीट वेव अप्रत्याशित अंटार्कटिक में देखी गई)

⇓

धनात्मक फीडबैक तंत्र का निर्माण

- GHGs की सान्द्रता में वृद्धि
- ला-नीना एवं अलनीनो
- सौर-कलंकों की बारंबारता
- सूर्य का उपसौर की स्थिति में (पृथ्वी के नजदीक)

⇓

सूर्यातप में वृद्धि

- प्राकृतिक वनस्पति का उन्मूलन

⇓

शहरों द्वारा केंद्रीकरण

⇓

नगर का गर्म होना

- पृथ्वी का ऊष्मा बजट प्रभावित।

हीट वेव को प्राकृतिक आपदा में शामिल करने की जरूरत है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. सुनियोजित शहरों का निर्माण सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे महत्त्वपूर्ण विशेषताओं में से एक था। स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

Building well-planned cities was one of the most important features of the Indus Valley Civilization. Elucidate. (150 words) 10

लगभग 2000 ई.पू. तत्कालीन विश्व की विकसित सभ्यताओं यथा- मिस्र की सभ्यता, मेसोपोटामिया की सभ्यता आदि में सिंधु घाटी सभ्यता अपने सुनियोजित शहरों के कारण अद्वितीय थी।

सिंधु घाटी सभ्यता के शहरी निर्माण की विशेषताएँ-

- शहरों की सड़कों का समकोण पर काटना (मोहनजोदड़ो)

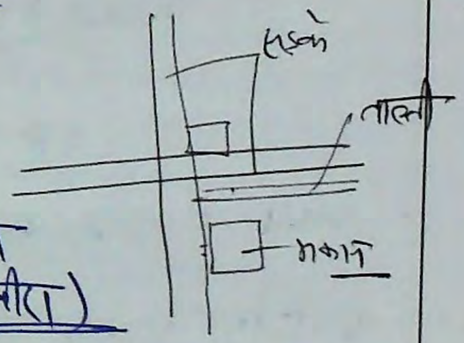

- कुशल अपवाह प्रणाली (लोथल)(धौलावीरा)
- नालियों का उपयोग
- स्वच्छता को महत्व
- शहरों की सुरक्षा हेतु किलाबंदी
- आयताकार ईंटों का प्रयोग = जो प्रौद्योगिकीय

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

एवं तकनीकी उन्नति को दिखाता है।

- शहरों में जलाशय की उपस्थिति (धोलावीरा)
- विशाल स्नानागार
- शहरों का ऊपरी भूमि पर स्थित होना,
- उन्नत भण्डारगृह / गोदाम
  (जो खाद्य सुरक्षा हेतु प्रगति कदम को दिखाते हैं)
- कांस्य का प्रयोग
  ⇓
  व्यापार हेतु कृषि के साथ—

इस प्रकार सिंधु घाटी सभ्यता भारत के प्रथम शहरीकरण का महत्वपूर्ण प्रसिद्ध उदाहरण है जो तकनीकी क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता दिखाती है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. जेट धाराएँ क्या हैं? उनके जलवायु महत्त्व पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10
What are jet streams? Discuss their climatic significance. (150 words) 10

जेट धाराएँ -

पृथ्वी से औसतन 7-10 किमी० ऊँचाई पर चलने वाली तीव्र पवनों को (गति लगभग 100-150 Km/घंटा) जेट धारा कहा जाता है।

जेट धाराओं का जलवायु पर महत्व

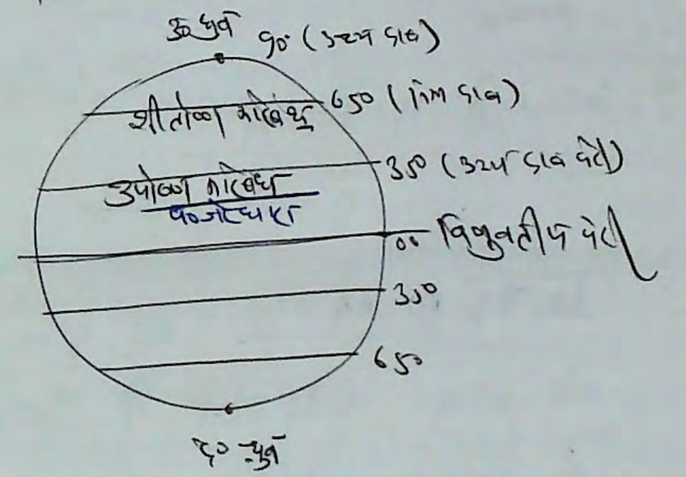

i). वायुराशियों का निर्धारण - जेटधाराएँ प्राय: वायुराशियों की आर्द्रता, तापमान और विशेषताओं को संचित करते हुए मेज़बान स्थान की जलवायु को प्रभावित करती हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

ii). भारत में द० प० मानसून धारा के साथ (कारण - परिणाम) का सम्बन्ध -

जैसे हिमालय के द० से टकराना

भारत में द० प० मानसून को प्रभावित करता है।

iii). तापमान वितरण में सहायक

iv). भारत में प० विक्षोभ द्वारा सर्दियों में वर्षा कराते हैं

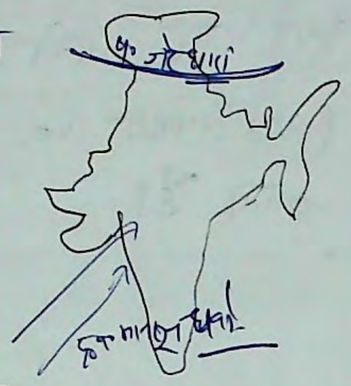

(v) - प्रदूषण का कम करना — यह धुँआ, धूल आदि को प्रवाह · धुंधीय क्षेत्र में अपनी वायुमण्डल में प्रसारित करते हैं।

जेट धाराओं की बदलती वर्तमान में शोध को आकर्षित करती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. मथुरा और अमरावती कला शैली की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये। (150 शब्द) 10
Highlight the characteristics of Mathura and Amravati school of art. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत में मथुरा एवं अमरावती कला मौर्योत्तर काल में मूर्तिकला की प्रमुख शैली है।

मथुरा कला -

• मथुरा कला पर तत्कालीन यूनानी कलाओं का कुछ प्रभाव दिखाई पड़ता है।

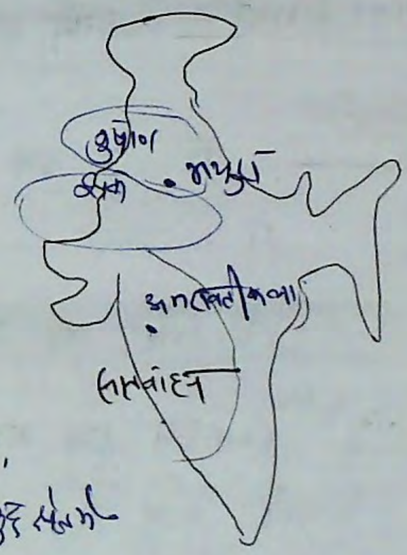

• इसका क्षेत्र उ० प्र० उत्तरप्रदेश, दिल्ली, हरियाणा के कुछ क्षेत्रों

• निर्माण सामग्री = लाल बलुआ पत्थर

• शासक - कुषाण काल के समय में भी

• प्रकृति - बौद्ध, जैन मूर्तियों का निर्माण, हिंदू देवताओं की भी प्रतिमाएं बनाई गईं

• विशेषता - बुद्ध का ध्यानस्थ मुद्रा, घुंघराले बाल आदि

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अमरावती कला -

शासक - देशी सातवाहन शासकों द्वारा संरक्षण,

प्रभाव - प्रमुखतः देशी परम्पराओं का प्रभाव,

क्षेत्र - महाराष्ट्र, कर्नाटक का उत्तरी भाग, आन्ध्र प्रदेश

निर्माण सामग्री - सफेद संगमरमर का उपयोग भी

मूर्तियाँ - बुद्ध के मुख आकृतियों एवं केश सज्जा में बदलाव

- जैन, बौद्ध एवं वैष्णव मूर्तियाँ भी

फलक का चित्रण - स्थापत्य कला का अनोखा दीवारों, प्रस्तर-फलकों आदि पर पाया जाता है।

यह कलाएँ तत्कालीन कला के साथ सामाजिक जीवन की अवस्था को बताती हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. भारत छोड़ो आंदोलन को विभाजन और स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर सबसे बड़े साम्राज्यवाद विरोधी संघर्ष के रूप में वर्णित किया गया है। इस संबंध में भारत छोड़ो आंदोलन की प्रकृति पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

The Quit India Movement has been described as the most massive anti-imperialist struggle on the eve of Partition and Independence. In this regard discuss the nature of the Quit India Movement. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1942 में स्वतः स्फूर्त भारत छोड़ो आंदोलन अपने पूर्ववर्ती स्वतंत्रता-संग्राम आंदोलनों से अनेक मायनों में उग्र था।

भारत छोड़ो आंदोलन की प्रकृति -

→ प्रकृति - यह स्वतः स्फूर्त आंदोलन था,

- आधार & संगठन - प्रायः सम्पूर्ण भारत की स्थिति इसमें देखी गई। इसमें किसान, महिलाएँ, जमींदार, छात्र, शहरी वर्ग, व्यापारी, सभी समुदाय के लोगों की व्यापक भागीदारी रही,
- सेना एवं भारतीय प्रशासनिक अधिकारियों की भागीदारी
- तत्कालीन समस्त विचारधाराओं का अभिसरण - गांधी जी,

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सुभाष बोस (आजाद हिंद फौज), अत: सभी राजनीतिक दलों का सहयोग,

- साम्प्रदायिक ताकतों से निपेध पहली बार आजादी का स्वर घर घर में गूंजा
- भूमिगत रेडियो, समानान्तर सरकार और गतिविधियाँ (सतारा, तामलुक मलिया बंगाल आदि) भारत में दिखाई पड़ी
- अंग्रेजों पर देश छोड़ने का भारी दबाव

अतः आंदोलन के प्रभाव में कैबिनेट मिशन आया और अन्ततः यह आंदोलन आजादी हेतु अन्तिम संघर्ष बना।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. लौह और इस्पात उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले कारकों पर प्रकाश डालिये और पूरे भारत में उनके वितरण की रूपरेखा तैयार कीजिये। (150 शब्द) 10

Highlight the factors influencing the location of iron and steel industries and outline their distribution across the India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत में आधारभूत उद्योग के रूप में लौह उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था को मूल ढाँचा प्रदान करता है

अवस्थिति को प्रभावित करने वाले कारक

1). कच्चे माल की उपलब्धता, जैसे कोयला, लौह अयस्क हेतु झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़ आदि

2). श्रम की उपलब्धता

3). बाजार की नजदीकी (तटीय क्षेत्र पर स्थित बंदरगाह).

4). पूंजी एवं उद्यम की उपलब्धता

5). ऊर्जा की उपलब्धता, (तमिलनाडु, कोल क्षेत्र).

6). उद्योग के संचालन हेतु बेहतर परिस्थितियाँ - कर्मचारियों की सुरक्षा (अपराध रहित क्षेत्र).

7). परिवहन के तीव्र एवं सस्ता संसाधन

8) कुशल श्रम बल की उपलब्धता।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

9) सहयोगी सरकारी नीतियाँ,
जैसे - विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ), NIMZ,
कर छूट; प्रोत्साहन योजनाएं (PLI) आदि

भारत में लौह एवं इस्पात उद्योग का वितरण -

भारत में उपलब्ध संसाधनों की उपलब्धता के अनुरूप लौह एवं इस्पात उद्योग का वितरण दक्षिण एवं मध्य-पूर्वी भारत में केंद्रित है।

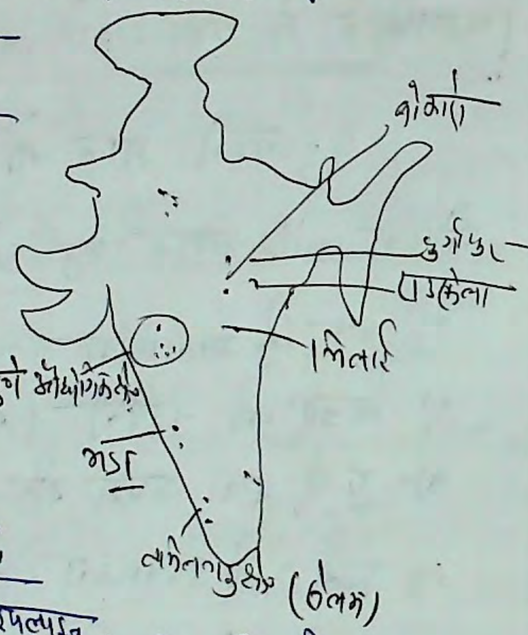

मेक इन इंडिया, राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन, PM गतिशक्ति, DFC आदि इस उद्योग की संभावना को बढ़ा रहे हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. उपयुक्त साक्ष्यों की सहायता से सागर नितल प्रसरण की अवधारणा को स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10
Elucidate the concept of sea floor spreading with suitable evidence. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

'सागर नितल प्रसरण' की संकल्पना भूविज्ञानी 'हैरी हेस' द्वारा दी गई। यह अवधारणा 'प्लेट विवर्तनिकी' की संकल्पना का पूर्वाधार बनी।

सागर नितल प्रसार:-

हैरी हेस के अनुसार की पृथ्वी कुछ चलायमान प्लेटों पर स्थित है।

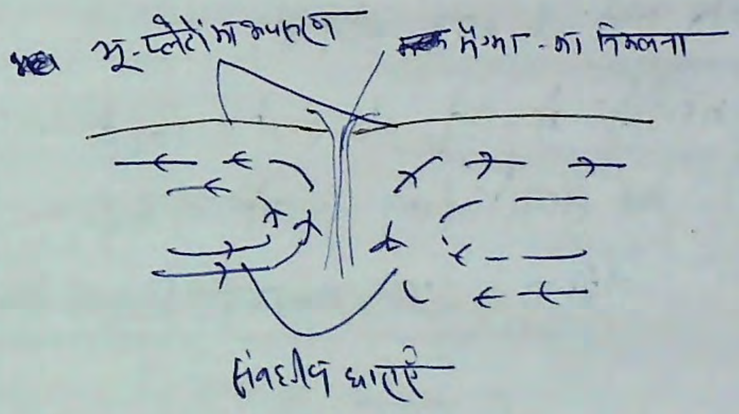

• यह प्लेटें विपरीत दिशा में अपसरण कर रही हैं। यह अपसरित हो रही प्लेटें भी अपने से दूर स्थित प्लेट से अभिसरण करती हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- अपसारित प्लेटें प्राय: महासागरीय प्लेट है- इनका एक-दूसरे से दूर जाना सागर-नितल का विस्तार करता है जैसे- अटलांटिक महासागर में मध्य महासागरीय कटक निर्माण एवं लगातार फैलाव
- दुनिया के अन्य भाग भी इससे निर्मित- जैसे- भूमध्य, लाल सागर इत्यादि.
- यह परिघटना मैंटल प्लूम के ऊपर गतिशील प्लेटों के कारण होते है।
- यह महाद्वीपों में भी हो सकती है जिससे नये सागरों/जल निकायों का निर्माण होगा जैसा- ईस्ट-अफ्रीकन रिफ्ट वैली

इस प्रकार यह अवधारणा भूकंप को समझने में महत्वपूर्ण है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. पिछले दो दशकों में दक्षिण एशिया में बाढ़ का ज़्यादा असर शहरी इलाकों में देखा जा रहा है। इस कथन के आलोक में नगरीय बाढ़ के कारणों की विवेचना कीजिये तथा इससे निपटने के उपायों का सुझाव भी दीजिये। (150 शब्द) 10

In the last two decades, floods in South Asia have become urban. In the light of this statement discuss the causes of urban flooding and suggest measures to tackle it. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

IMO ने दक्षिण एशिया में जलवायु परिवर्तन जनित बदलते मानसून प्रतिरूप के प्रभावों से वर्षा प्रतिरूपों में बदलाव को एक बताया है।

नगरीय बाढ़ के कारण-

i). जल निकासी की समुचित व्यवस्था 'न'- अवैज्ञानिक अपवाह प्रणाली से जल का निष्कासन देर से होता है जिससे अल्पकालिक बाढ़ जैसे हालात, जैसे- दिल्ली

ii). भूआकृतिक ढालों के अनुरूप अपवाह प्रणाली का न होना

iii). प्रमुख शहरों का नदियों के किनारे होना- पटना- कोसी नदी के किनारे → मानसूनी ऋतु में अधिक जलधारा का विस्तार-

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

iv). कम समय में तीव्र मूसलाधार बारिश
⇓
बदलते जलवायु का प्रभाव

v). अवैज्ञानिक एवं अनियोजित शहरीकरण

vi). शहरी जल निकायों का अतिक्रमण
⇓
आधिक्य जल अवशोषण की क्षमता नहीं

vii). शहर का कंक्रीटीकरण
⇓
मिट्टी में जलअवशोषण क्षमता नहीं

viii). शहरी नालों में गाद का भराव
⇓
जलधारण क्षमता में कमी

अपशिष्ट का कुप्रबंधन ⇒ नालों एवं सीवरों का चोक होना

उपाय
- ~~शहरों पर~~ बादलों की निगरानी प्रौद्योगिकी उपयोग करना
- स्मार्ट सिटी का कुशल क्रियान्वयन ∟ अमृत योजना
- स्पंज काउंटर सिटी का विकास
- अपवाह प्रणाली को बेहतर करना
- वृक्षों का रोपण अधिक
- स्मार्ट नीति
- अपशिष्ट प्रबंधन
- शहरी बाढ़ शमन को पुनर्जीवित करना (टाउन प्लानिंग)

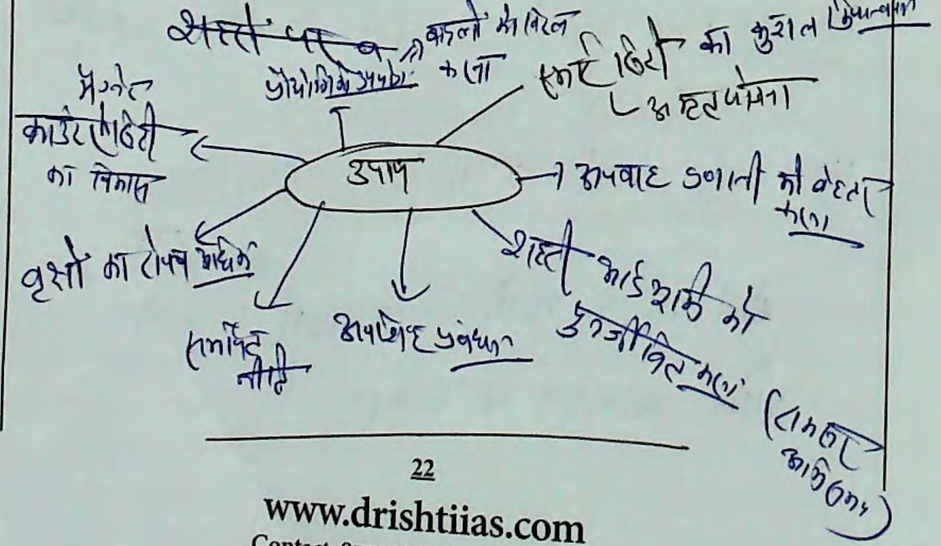

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

11. बौद्ध सिद्धांत ब्राह्मणवादी परंपराओं की तुलना में सामाजिक रूप से अधिक समावेशी था लेकिन इसका उद्देश्य सामाजिक मतभेदों को समाप्त करना नहीं था। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

Buddhist doctrine was more socially inclusive than Brahmanical traditions but it did not aim at abolishing social differences. Examine. (250 words) 15

आडंबरवादी ~~ब्राह्मणिक~~ ब्राह्मणीय तंत्र के विरुद्ध जन-पांथी (6ठी ई.पू.) बौद्ध धर्म ने समतावादी धार्मिक सिद्धांतों का प्रचार किया।

बौद्ध सिद्धांत समावेशी के रूप में-

- मानव मात्र की अवधारणा - जातिपात, छुआछूत के निषेध एवं मानवों के कल्याण पर बल
- जीवों के प्रति हिंसानिषेध - कृषकों को लाभान्वित किया (पशुबलि निषेध) एवं प्राणियों के प्रति दया को बल
- मूल्यों की स्थापना - सत्य, अहिंसा, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह जैसे मूल्यों की स्थापना
- संतोष को बढ़ावा एवं तृष्णा को दुःख का कारण बताना - समाज में सतत्ता को कायम करना,

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- सामाजिक कुरीतियों एवं कुप्रथाओं की निंदा

बौद्ध धर्म की आलोचना -

- महिलाओं की दशा पर कड़ा प्रतिरोध नहीं - पहले तो संघ में शामिल न करना फिर उनके शोषण के खिलाफ प्रभावी उपाय नहीं, क्योंकि सतीप्रथा, बाल-विवाह, कन्या हत्या जारी रहा
- दलितों के लिए क्रांतिकारी कदम नहीं। आलोचकों का मत केवल सैद्धांतिक बातों का मुखर प्रतिरोध के बिना प्रभाव कम हो
- वर्णाश्रम व्यवस्था एवं रूढ़िवादिता का विकल्प नहीं हो पाया - जिससे जिन मुद्दों के खिलाफ बौद्ध धर्म आया था पुनः उसी का शिकार हो गया।
  - बुद्ध को देवता मानना
  - महायान, वज्रयान सम्प्रदाय आदि की बहुलता
  - संघों में महिला शोषण की घटनाएँ

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- वज्रयान में अंधविश्वास आदि को बढ़ावा

इस प्रकार मूल्य ह्रास होने के कारण बौद्ध धर्म का अन्ततः भारत से विलोपन ही हो गया।

बौद्ध सिद्धांत की वर्तमान प्रासंगिकता -

- विदेशी नीति में सहायक (पंचशील)
- अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों का मजबूत होना
- वर्तमान में पर्यावरण समस्याओं का समाधान
- प्राचीन सभ्यताओं से लिंक स्थापित करना

अन्ततः बौद्ध धर्म सामाजिक विकृतियों को पूर्णतः समाप्त नहीं कर पाया परन्तु एक वैकल्पिक सकारात्मक रास्ता दिखाया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. "उपनिवेशवाद भारत के आर्थिक विकास में मुख्य बाधा था।" इस कथन के आलोक में नरमपंथियों के योगदान को उजागर कीजिये, जो 19वीं शताब्दी में उपनिवेशवाद की आर्थिक आलोचना को विकसित करने वाले पहला गुट था। (250 शब्द) 15

"Colonialism was the main obstacle to India's economic development". In the light of this statement bring out the contribution of Moderates, who were the first to develop an Economic critique of colonialism in the 19th century. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उपनिवेशवाद का सम्बन्ध

किसी विदेशी देश द्वारा मेजबान देश के समस्त संसाधनों का दोहन अपने हितों के अनुकूल करते हैं। इसके मेजबान देश के हितों, कल्याण आदि को पूर्णतया नजरअंदाज किया जाता है।

उपनिवेशवाद भारत की आर्थिक बाधा के रूप में

- परंपरागत शिल्प उद्योगों को बर्बाद करना
  ⇓
  बेरोजगारी बढ़ी + कृषि पर भार
- औद्योगिक क्रांति का प्रसार नहीं — भारत तकनीकी रूप से पिछड़ा बना रहा
- भारत में रेलवे का अपने हितों के अनुरूप विस्तार
  ⇓
  कुछ क्षेत्रों को ही लाभ

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

- लगान आदि द्वारा किसानों का अतिशोषण
- भारत को बाजार के रूप में देखना (तैयार माल के)
- नील, आदि की खेती द्वारा उपजाऊ भूमि का निम्नीकरण

नरमपंथियों का योगदान

- दादा भाई नौरोजी द्वारा ब्रिटिश मंशा का खुलासा; 'Poverty in British Ruled India' किताब में 'ड्रेन थ्योरी' के माध्यम से
- बाद के अर्थशास्त्रियों एवं नेताओं द्वारा ब्रिटिश शासन के भारत पर प्रभाव को बताना
- जनता में कुछ कारकों को बताना जो शोषण हेतु उत्तरदायी थे —
  - भारतीय वित्त से ब्रिटिश अधिकारियों को वेतन
- इंग्लैंड के होम चार्जेज भारत से
- लाभांश ब्रिटेन भेजना
- भारत में निवेश हेतु यहीं से शोषण द्वारा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उगाही गई पूंजी

- भारतीय वस्तुओं के निर्यात पर भारी प्रशुल्क जबकि ब्रिटिश आयात पर कम प्रशुल्क

⇓

भारतीय वस्तुओं की प्रतिस्पर्धा कम करना

⇓

भारतीय उद्योगों का विनाश

(प्रभाव) • राष्ट्र में ब्रिटिश विरोधी भावना का विकास
- नए मानवादी संगठनों का उदय
- युवाओं में राष्ट्र प्रेम की भावना (युगान्तर आदि)

यही क्रियात्मक योगदान की परिणति 1905 के स्वदेशी एवं बहिष्कार आंदोलन में दिखाई पड़ती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. गुप्त युग को अक्सर सांस्कृतिक विकास के क्षेत्र में शास्त्रीय युग के रूप में वर्णित किया जाता है। चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

The Age of Guptas is often described as the classical age in the sphere of cultural development. Discuss. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

गुप्त युग को अपनी साहित्यिक, कलात्मक उत्कर्ष के कारण भारत में 'सांस्कृतिक विकास का स्वर्ण' युग कहा जाता है।

गुप्त युग में सांस्कृतिक विकास –

मौर्योत्तर काल के बाद भारत में शुंगों, हूणों को पराजित करने के बाद गुप्त साम्राज्य स्थापित हुआ।

- गुप्तों पर ब्राह्मणीय धर्म का वैचारिक प्रभाव था। इसके उनके समय में आधुनिक ग्रंथों का मूल मिलता है।

गुप्तों का साहित्यिक योगदान –

- चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य के दरबार में नवरत्नों का होना – अमरसिंह,

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कालिदास जैसे कवियों की उपलब्धि

कालिदास द्वारा – रघुवंश महाकाव्यम्, मेघदूतम्

* वाल्मीकि द्वारा – रामायण – सामाजिक मर्यादा के विश्लेषण
  · संस्कृत का काव्यशास्त्रीय भाषा के रूप में उपयोग
* पाणिनी का अष्टाध्यायी – व्याकरण की पुस्तक
* भूगोल क्षेत्र में –
  आर्यभट्ट, वराहमिहिर ने भारतीय भूगोल ज्योतिष को बदल दिया
  · चन्द्र, सूर्य ग्रहण का ज्ञान
  - π का आविष्कार
  · सूर्यसिद्धान्त
* गणित · भारत में शून्य ज्ञान
  · दाशमिक निकाय
* चिकित्सा के क्षेत्र में –
  – चरक कृत चरकसंहिता, आधुनिक आयुर्वेद का विकास
  · सुश्रुत द्वारा शल्य चिकित्सा का प्रयोग

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

· नाटक –
भास कृत मृच्छकटिकम्
(दुनिया के श्रेष्ठतम में है (?))

· साहित्य के साथ सांस्कृतिक परम्पराओं, कला के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका थी।

· गुप्त काल ~~[illegible]~~ स्थापत्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति नहीं किया।

स्कन्दगुप्त जैसे शासकों का गुप्त काल में होना सांस्कृतिक विरासतों को महत्वपूर्ण प्रगति प्रदान किया।

गुप्तकाल में सभी धर्मों के प्रति समानता एवं सहिष्णुता का भाव प्रशंसनीय है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. हिमनद प्रतिक्रिया से संबंधित विभिन्न अपरदन और निक्षेपण भू-आकृतियों की चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Discuss the various erosional and depositional landforms associated with glacial action. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विश्व के समस्त महासागरीय जल से अधिक भाग पृथ्वी पर हिमनदों के रूप में मौजूद है।

हिमनद - हिमनद जल का ठोस रूप है जो ध्रुवों पर विद्यमान है। हिमनदों में मौसमी आधार पर पिघलन के कारण अपरदनात्मक एवं निक्षेपणात्मक भू-स्थलाकृतियाँ पाई जाती हैं।

अपरदन भू-आकृति -

• श्रृंग - शिखर या किन्हीं तीन हिमनदों के अपरदन से उभरा हुआ भाग श्रृंग कहलाता है।

• लटके एवं गहरे हिमनद लटकती घाटियाँ

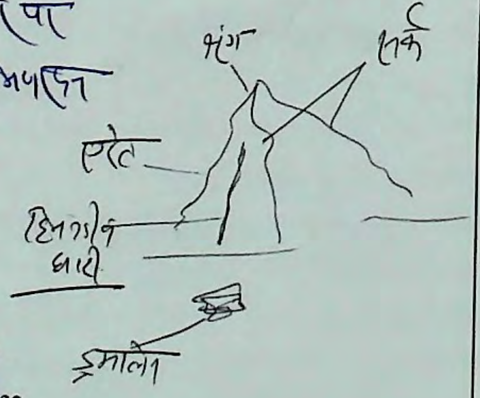

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

का निर्माण करते हैं। हिमनदों के पिघलने के नीचे आने पर घाटी में सर्क व एरेट का निर्माण होता है।

निक्षेपणात्मक भू-आकृतियाँ -

• हिमोढ़ का निर्माण - हिमनद के साथ टूटे-फूटे छोटे कण मिलकर असंगठित हिमोढ़ का निर्माण करते हैं।

=> हिमोढ़ का बाँध के रूप में जमाव

↓

हिमनदीय झीलों का निर्माण

• हिमोढ़ पंक - जिसका दूसरा मैदानी क्षेत्र में बाढ़ लाता है एवं पहाड़ी क्षेत्रों में हिमस्खलन की स्थिति

इस प्रकार हिमनदीय अपरदन एवं निक्षेपण की प्रक्रिया को जलवायु परिवर्तन ने बढ़ा दिया है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

- हाल में उत्तरकाशी में भी सिल्क्यारा टनल का 'हिमालय जोन का ढहना'

हिमालयों की प्रकृति का अध्ययन करने हेतु हमें शोध बढ़ाना होगा एवं अंटार्कटिक एवं आर्कटिक हिम पिघलन को रोकना अत्यन्त आवश्यक है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

15. असहयोग आंदोलन अपनी विफलता के बावजूद भारतीय इतिहास में राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र के संबंध में बहुत महत्त्व रखता है। विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

In spite of its failure the Non-Cooperation Movement has great significance in Indian history in relation to the political and social sphere. Analyse. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

1916 में महात्मा गांधी के भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में पदार्पण के बाद 'असहयोग आंदोलन' उनका पहला राष्ट्रीय स्तर का संगठित आंदोलन था।

असहयोग आंदोलन (1920-22) -

- रौलेट एक्ट के विरोध में गांधी जी ने आह्वान किया
- इसमें स्वदेशी की तुलना में व्यापक भागीदारी देखी गई
- आंदोलन का समय से पहले खत्म होने के कारण एवं जलियांवाला बाग नरसंहार के बाद गांधी जी ने वापस ले लिया

जनता एवं कुछ कांग्रेसी नेता नाराज हुए

Copyright – Drishti The Vision Foundation

विफलता -

• पुनः असहयोग में शुरू होने के बाद चौरी-चौरा कांड के बाद वापस लेना

• घोषित लक्ष्य (उन्होंने कहा था कि अगर हम संगठित एवं लक्ष्य अनुरूप रहे तो स्वतंत्रता हम 1 वर्ष में ले लेंगे) को प्राप्ति नहीं

• कांग्रेस में बिखराव

• एनी बेसेंट आदि द्वारा अलग होना

• सरकार द्वारा माँग पूरी नहीं

आंदोलन का महत्व -

• पहली बार कांग्रेस के स्वशासन प्राप्ति के साधनों के बदलाव (अब संवैधानिक तरीकों की जगह स्वशासन प्राप्ति अचित तरीकों से (असहयोग)

• किसानों, मजदूरों की भागीदारी

• रचनात्मक प्रयासों एवं कार्यक्रमों द्वारा आंदोलन का आधार विस्तृत हुआ,

Copyright – Drishti The Vision Foundation

• आंदोलन के प्रति गाँधीवादी दृष्टिकोण (आंदोलन हेतु पूर्व तैयारी, योजना, निश्चित समय तक संचालन, वापसी एवं मोहलत बनाए रखना)

↓

यह पद्धति स्वतंत्रता प्राप्ति तक काम आयी

• कांग्रेस को गाँधी के रूप में एक सर्वमान्य नेतृत्व का मिलना

• यही आधार आगे भी आंदोलनों में काम आया,

• खिलाफत मुद्दों के तहत मुस्लिमों का समर्थन मिलना,

सभी को साथ लाने एवं राष्ट्रवाद के प्रति लक्ष्य अनुरूप होने में असहयोग आंदोलन की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

16. क्रांतिकारी उग्रवाद ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ 20वीं शताब्दी की शुरुआत के दौरान अत्यधिक प्रेरित राष्ट्रवादी युवाओं की एक पीढ़ी द्वारा अपनाई गई राजनीतिक कार्रवाई का रूप था। इस संबंध में क्रांतिकारी प्रवृत्तियों के कारणों और इसके पतन के लिये ज़िम्मेदार कारकों पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Revolutionary terrorism was the form of political action adopted by a generation of highly motivated nationalist youth during the start of the 20th century against British power. In this regard discuss the causes leading to revolutionary trends and factors responsible for its decline. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

19वीं सदी के अन्त में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की नरमपंथी अतिवादी निष्क्रिय प्रयासों को देखकर कुछ क्रांतिकारी युवाओं ने उग्रवाद का रास्ता चुना।

क्रांतिकारी प्रवृत्ति के कारण -

- नरमपंथी राजनीति से निराशा -
  → क्योंकि आंदोलन (बंगाल विभाजन) के बावजूद भी सरकार ने बात नहीं मानी
- नरमपंथी कार्यशैली से अलगाव,
- राष्ट्र को एक विकल्प देने की कोशिश
- स्वतंत्रता को जल्द प्राप्त करने की इच्छा

प्रथम चरण के क्रांतिकारी -

बाल गंगाधर तिलक, सावरकर बंधु, अजीत सिंह, बंगाल में बारीन्द्र साथियों आदि ने बंगाल विभाजन के

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

बाद की राजनीतिक शून्यता को भरा

- क्रांतिकारी राष्ट्रवाद का द्वितीय चरण - (1924-32).
  भगत सिंह, चन्द्रशेखर आजाद, मास्टर सूर्यसेन, बीना दास आदि क्रांतिकारियों द्वारा रूसी क्रांति के प्रभाव (समाजवाद) एवं मार्क्सवाद के प्रभाव में आंदोलन,
  ⇓
  धर्मनिरपेक्ष प्रकृति एवं गणतंत्र की विचारधारा को महत्व दिया
- तृतीय चरण - भारत छोड़ो आंदोलन के साथ स्वतंत्रता की प्राप्ति तक चला।

पतन के जिम्मेदार कारक

→ वृहद संगठित व्यवस्था का न होना - यह भारत में छिटपुट एवं क्षेत्र विशिष्ट थे.
→ जनता के बीच आधार नहीं
⇓
जन समर्थन का अभाव
→ हिंसा की सीमा
→ आधुनिक शस्त्रों का अभाव

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उदारवादियों ने अंग्रेज इनके आंदोलन एवं उपद्रव को कुचलने में सक्षम हुए।

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में राष्ट्रवादी युवाओं की विचारधारा बाद में युवाओं को प्रेरित की। इसका प्रभाव 1908 के भारत छोड़ो आंदोलन में दिखाई पड़ी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

17. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन ने 20वीं सदी के अंत में स्वदेशी आंदोलन की शुरुआत के साथ एक बड़ी प्रगति की। विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 15

The Indian national movement took a major leap forward with the start of the Swadeshi Movement at the turn of 20th century." Analyze. (250 words) 15

1885 में स्थापित भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेतृत्व में भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन ने आरंभ में संवैधानिक तरीकों का उपयोग अपनी मांगो को मनवाने में किया।

आरंभिक विशेषताएँ

- विधान परिषदों में भारतीयों की भागीदारी बढ़ाई जाए,
- सिविल सेवा भारत में हो,
- किसानों पर कर का बोझ कम हो,
- न्यायपालिका एवं प्रशासन में भारतीयों की भागीदारी बढ़ाई जाए,
- भारतीय पारंपरिक उद्योगों की वस्त्र एवं रुपये के असंतुलन को रोकने की माँग
- भारतीय हितों के अनुरूप शिक्षा आदि की

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

को बढ़ावा दिया जाए,

- दादा भाई नौरोजी, R.C. दत्त आदि ने अंग्रेजों की कुल नीति को बेनकाब किया.

इसी दौरान -

→ तिलक द्वारा (शिवाजी, गणपति आदि का प्रयोग स्वाधीनता का एकता बढ़ाने हेतु किया जा रहा था

→ महाराष्ट्र में स्थानीय स्तर पर लोगों की प्लेग में सहायता भारतीयों द्वारा की जा रही थी

→ सरकार की मंशा का लोगों के बीच प्रचार

→ 20 वीं सदी के अंत तक गरमपंथी विचारधारा की शुरुआत

1903 में कर्जन द्वारा बंगाल विभाजन की घोषणा ने भारतीयों में विद्रोह की भावना को हवा दे दी।

- भारत में स्वदेशी आंदोलन का प्रसार -
  - बंगाल केमिकल (P.C. (रे)), माचिस, साबुन आदि के उद्योगों की स्थापना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

- विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार
- सार्वजनिक चौराहों पर विदेशी सामानों की होली जलाई जाने लगी
- राष्ट्रीय शिक्षा परिषद आदि का गठन
- स्थानीय भाषाओं को बढ़ावा
- भारत में राष्ट्रवाद की भावना का प्रसार
- आंदोलन का सामाजिक आधार बढ़ा
  ↓
  युवाओं की आंदोलनों में भागीदारी

इस प्रकार स्वतंत्रता आंदोलन 20वीं सदी की शुरुआत में एक नए जोश एवं उमंग के साथ आजादी के लिए गतिमान हुआ

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

18. उष्ण कटिबंधीय चक्रवातों के बनने के कारणों की व्याख्या कीजिये। यह भी बताइये कि बंगाल की खाड़ी में अधिक उष्णकटिबंधीय चक्रवात क्यों आते हैं? (250 शब्द) 15

Explain the causes for the formation of tropical cyclones. Explain why there are more tropical cyclones in Bay of Bengal? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

चक्रवात समुद्र सतह पर तीव्र घूमती पवन की एक भँवर है जिसका निर्माण विषुवत रेखा के नजदीक एवं शीतोष्ण कटिबंध में होता है।

उष्णकटिबंधीय चक्रवात — तापजनित होते हैं जबकि शीतोष्ण कटिबंधीय चक्रवात — वाताग्र से निर्मित होते हैं।

उष्ण कटिबंधीय चक्रवात बनने के कारण -

• उपयुक्त तापमान - 25-27°C
तापमान की आवश्यकता (समुद्र सतह)

• कोरियोलिस बल की आवश्यकता → जो हवाओं को मोड़ता है। उत्तरी गोलार्द्ध में चक्रवात घड़ी की सुई की विपरीत दिशा में घूमता है।

• निरंतर आर्द्रता आधारित गुप्त ऊष्मा की आपूर्ति -

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इसीलिए चक्रवात स्थल पर आकर समाप्त हो जाते हैं ~~क्योंकि~~ इन्हें गुप्त ऊष्मा (ऊर्जा) की आपूर्ति नहीं होती है।

• तीव्र उर्ध्वाधर पवनों का अभाव

• सूर्यातप एवं सूर्य की स्थिति की अनुकूलता -
सामान्यतः जून-जुलाई में उत्तरी गोलार्द्ध में

विश्व में उष्णकटिबंधीय चक्रवात

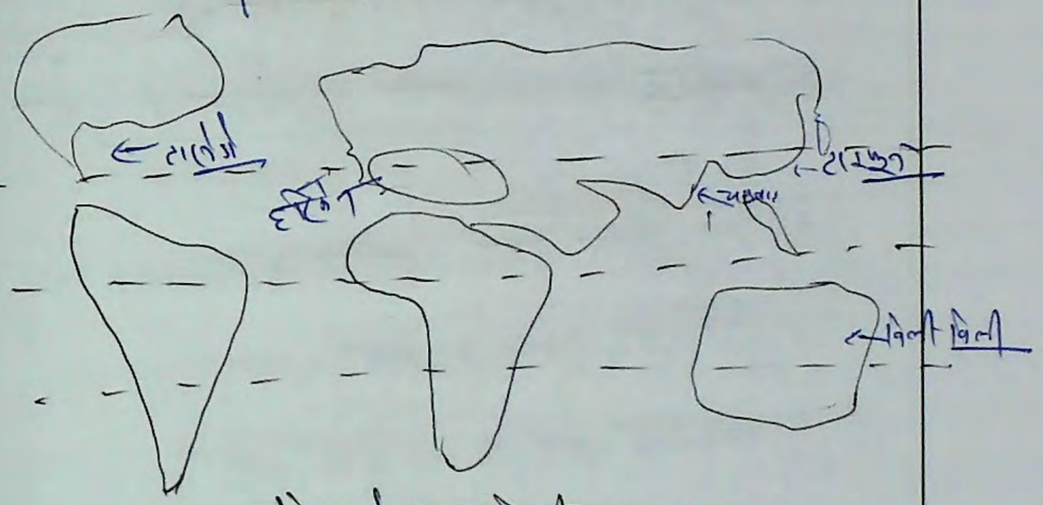

बंगाल में उष्ण कटिबंधीय चक्रवातों की अधिकता -

1. बंगाल की खाड़ी के औसत तापमान का अधिक होना (अरब सागर की अपेक्षा)

2. व्यापारिक पवनों का क्षेत्र - समुद्र सतह पर उठने वाली

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पवनें आर्द्रता ग्रहण होती हैं एवं चक्रवात हेतु आवश्यक ऊर्जा प्रदान करती हैं;

3. तीव्र महासागरीय धारा का अभाव - जो तापमान में आया असंतुलन लाकर चक्रवात के उत्प्रेरक।

हाल में - भारत का पूर्वी तट चक्रवातों से अधिक प्रभावित (हो) है। जैसे- अम्फान आदि

- जलवायु परिवर्तन सतही वायुमंडल में वृद्धि की है
- ला-नीना द्वारा चक्रवात के आगमन में अधिकता
- सकारात्मक IOD का होना
- अधिकांश नदियों का बंगाल की खाड़ी में गिरना इसके स्थलीय प्रवेश को सुगम बनाता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

19. विभिन्न प्रकार के ज्वालामुखियों की चर्चा कीजिये और समझाइये कि विश्व के अधिकांश ज्वालामुखी परि-प्रशांत पेटी में क्यों स्थित हैं। (250 शब्द) 15

Discuss various types of volcanoes and explain why most of the world's volcanoes are situated along circum pacific belt. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ज्वालामुखी एक पृथ्वी की अन्तर्जनित प्रक्रिया है जिसके द्वारा लावा, मैग्मा आदि का उद्गार होता है।

ज्वालामुखी के प्रकार -

- सक्रियता के आधार पर

जाग्रत, शांत एवं प्रसुप्त ज्वालामुखी प्रमुख हैं।

- प्रकृति के आधार (लावा उद्गार) के आधार पर

शील्ड ज्वालामुखी, मिश्रित ज्वालामुखी आदि हैं।

- प्लेट-विवर्तनिकी के अनुसार - दरारी उद्गार एवं केंद्रीय उद्गार वाले ज्वालामुखी प्रमुख हैं

- दरारी उद्गार - इसमें भू-प्लेटों का अपसरण होता है जिससे दरारों के द्वारा लावा-मैग्मा का निकास होता है। यह सामान्यतः कम विस्फोटक होते हैं। उदा.- मध्य महासागरीय कटक (अटलांटिक)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

• केंद्रीय उद्गार वाले ज्वालामुखी = यह प्लेटों के अभिसरण के क्षेत्र में पाये जाते हैं। इसमें भारी उद्गार होता है एवं विश्व के सबसे ऊँचे पर्वतों का निर्माण व लावा पठार बनता है।

परिप्रशांत पेटी में सर्वाधिक ज्वालामुखी क्यों?

प्लेट विवर्तनिकी के अनुसार – प्रशान्त महासागर के चारों ओर महासागरीय प्लेटों का महाद्वीपीय प्लेटों के नीचे अधिविष्ठन/अवक्षेपण हो रहा है।

• प्लेटों के नीचे धसाव के कारण मैग्मा का उद्गार होता है, जिससे ज्वालामुखी की उत्पत्ति होती है।

• सामान्यतः परि-प्रशान्तीय क्षेत्र में सक्रिय ज्वालामुखियों की बहुलता पाई जाती है, इसलिए इसे 'परिप्रशान्तीय अग्नेय पट्टी' भी कहा जाता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

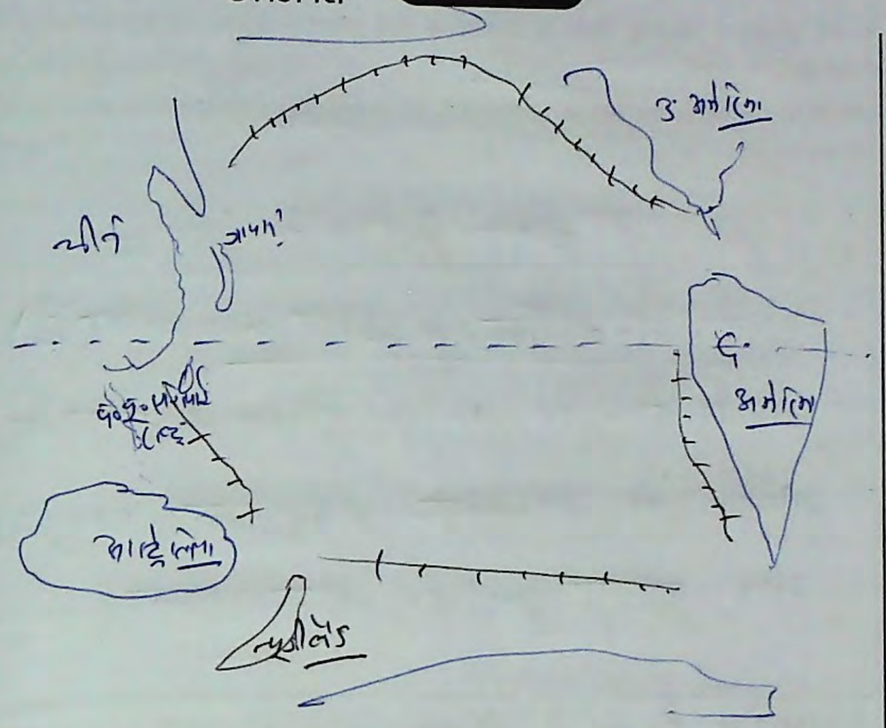

—+++++ = महासागरीय प्लेटों का महाद्वीपीय प्लेटों के नीचे धँसाव

↓

ज्वालामुखीय होते हैं (सक्रिय क्षेत्र)।

• ज्वालामुखीय उद्गार जहाँ इन क्षेत्रों में भूकम्पों का कारण बनता है वहीं अचानक प्लेटों का धँसाव सुनामी जैसी आपदाओं का महत्वपूर्ण कारण है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

20. 19वीं शताब्दी में आधुनिक शिक्षा के विकास के लिये उत्तरदायी कारकों की समालोचनात्मक विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

Critically examine the factors responsible for evolution of modern education in the 19th century. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत में 19वीं सदी को 'भारतीय नवजागरण का काल' कहा जाता है। इस काल में आधुनिक शिक्षा के प्रसार ने भारतीयों में मानवतावाद, तर्कबुद्धिवाद, आधुनिक सोच, नवाचार आदि को बढ़ावा दिया।

आधुनिक शिक्षा के विकास के उत्तरदायी कारक

- प० देशों में आधुनिक विचारों का उदय — प० में औद्योगिक क्रांति के पहले ही अनेक विचारकों ने आधुनिक विज्ञान को सैद्धांतिक रूप दिया। इनमें रूसो, वाल्टेयर आदि प्रमुख हैं। इनकी अवधारणाओं, किताबों का वैश्विक प्रसार क्योंकि यूरोपीय व्यापारियों, प्रिंटिंग प्रेस के विकास ने इसे सुगम बनाया

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

- उपनिवेशवादी शक्तियाँ — इन्होंने समता, लोकतांत्रिक एवं आधुनिक शिक्षा हेतु सहयोग किया,
  - 1813 के अधिनियम में शिक्षा पर व्यय हेतु 1 लाख की धनराशि स्वीकृत
  - विभिन्न शिक्षा आयोगों का गठन — हंटर आयोग, वुड्स डिस्पैच, मैकाले मिनट्स
- तकनीकी संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों की स्थापना — कलकत्ता, इलाहाबाद आदि में
- भारतीय सामाजिक-धार्मिक आंदोलन के प्रणेताओं की महत्वपूर्ण भूमिका —
  - राजा राममोहन राय — ब्रह्म समाज, पत्रिकाएँ
  - ईश्वर चन्द्र विद्यासागर — बेथुन कॉलेज
- आर्य समाज, प्रार्थना समाज आदि ने भारतीयों को आधुनिक शिक्षा से परिचित कराने एवं प्रचार प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

- समाचार पत्रों की भूमिका
- ईसाई मिशनरियों द्वारा प्रचार
- अंग्रेजों द्वारा औपनिवेशिक हितों की पूर्ति हेतु भारतीयों को शिक्षा देना
- 19वीं सदी के उत्तरार्ध में विभिन्न भारतीय संगठनों का योगदान
- विदेशों में पढ़े शिक्षित भारतीयों की भूमिका

इस प्रकार 19वीं सदी ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का वह वैचारिक आधार तैयार किया जिसपर स्वतंत्र भारत का स्वप्न सत्य हुआ।

इस शिक्षा ने ऊँच-नीच के भाव को बढ़ाया (अंग्रेजी आकर्षकता का प्रतीक), अंग्रेजी व्यवस्था का प्रभाव; समान रूप से शिक्षा का प्रसार नहीं (आजादी तक 15% भी शिक्षित नहीं) आदि ने असमानताओं को बढ़ाया।

वर्तमान में हम इन कमियों के सुधार हेतु निरंतर प्रयासरत (NEP 2020 आदि) हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work
(रफ कार्य के लिये स्थान)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation